भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2925
13.08.2026 को उत्तर के लिए

असम में नदी डॉल्फिन का संरक्षण

2925. श्री तेराश गोवाला :

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाल ही में ब्रह्मपुत्र नदी में गंगा नदी डॉल्फिनों की संख्या का कोई आकलन किया है;
(ख) यदि हाँ, तो इस संबंध में किए गए संरक्षण उपायों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या असम में डॉल्फिन पर्यावासों के लिए कोई अतिरिक्त निधि स्वीकृत की गई है; और
(घ) यदि हाँ, तो शुरू की गई परियोजनाओं और उनके क्रियान्वयन की स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) भारत सरकार ने परियोजना डॉल्फिन के तहत वर्ष 2021-2023 के दौरान पहली बार पूरे क्षेत्र में नदी डॉल्फिन की आबादी का आकलन किया। इस सर्वेक्षण में गंगा, ब्रह्मपुत्र और ब्यास नदी प्रणालियों को शामिल किया गया। इसके लिए एक मानकीकृत वैज्ञानिक पद्धति अपनाई गई, जिसमें नाव द्वारा दृश्य सर्वेक्षण और रिकॉर्डिड ध्वनियों के माध्यम से निगरानी शामिल थी। इस आकलन के अनुसार, भारत में गंगा नदी की डॉल्फिन की अनुमानित आबादी 6,324 है।

असम में, इस सर्वेक्षण में ब्रह्मपुत्र और उसकी प्रमुख सहायक नदियों, नामतः सुबनसिरी, बेकी, कुलसी, कोपिली और बराक नदियों को शामिल किया गया था। इस आकलन में ब्रह्मपुत्र की मुख्य धारा में 584 डॉल्फ़िनों और इसकी सहायक नदियों में 51 डॉल्फ़िनों सहित कुल 635 गंगा नदी डॉल्फ़िन आबादी का अनुमान लगाया गया।

मंत्रालय केंद्र प्रायोजित योजना 'वन्यजीव पर्यावासों का विकास' के तहत नदी डॉल्फ़िन सहित वन्यजीवों के संरक्षण, सुरक्षा और प्रबंधन के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। काम्पा की शासी निकाय ने राष्ट्रीय काम्पा के माध्यम से वित्तीय सहायता के लिए "डॉल्फिन संरक्षण कार्य योजना का कार्यान्वयन: नदी डॉल्फिन और उनके जलीय पर्यावासों का संरक्षण और

पुनर्प्राप्ति" नामक परियोजना को मंजूरी दी, जिसमें असम राज्य सहित नौ राज्यों के 131 जिले शामिल हैं। परियोजना के तहत चिन्हित किए गए कार्यकलापों में बचाव और पुनर्वास, क्षमता निर्माण, उन्नत प्रौद्योगिकी परिनियोजन, जलीय प्रजातियों की बहु प्रजातीय पारिस्थितिक निगरानी शामिल है।

गंगा डॉल्फिन के संरक्षण के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण उपायों में शामिल हैं:

(i) एक व्यापक कार्य योजना (वर्ष 2022-2047) विकसित की गई है जिसके तहत नदी डॉल्फिन और जलीय पर्यावासों के संरक्षण के लिए विभिन्न हितधारकों की भूमिका की पहचान की गई है।

(ii) केंद्रित प्रबंधन कार्यकलापों के लिए व्यापक आकलन के निष्कर्षों के आधार पर महत्वपूर्ण डॉल्फिन पर्यावासों और प्राथमिकता वाले संरक्षण क्षेत्रों की पहचान की गई है।

(iii) डल्फ़िन पारिस्थितिकी, पर्यावास उपयोग, शिकार की उपलब्धता और मानवजनित खतरों पर आधुनिक तकनीकों जैसे रिकॉर्डिड ध्वनियों के माध्यम से निगरानी, पर्यावरणीय डीएनए (ईडीएनए) और उपग्रह टेलीमेट्री का उपयोग करके अनुसंधान किया गया है।

(iv) डॉल्फिन संरक्षण के लिए राज्य वन विभागों, स्थानीय समुदायों, मछुआरों को शामिल करते हुए जागरूकता सृजन और क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाए गए।

(v) राज्यों को नदी डॉल्फिन और उसके पर्यावासों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता प्रदान की गई।

******